कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (54) खण्ड - {107}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें..........

प्रश्न 1- तुम इस समय देवताओं से भी ऊंच हो क्योंकि -

A- ब्राह्मण हो

B- ज्ञान है

C- बाप के साथ हो

D- रचना और रचता को जानते हो

प्रश्न 2- आत्मा ही अच्छा वा बुरा कर्म कैसे करती/भोगती है ?

A- इस शरीर द्वारा।

B- एक शरीर छोड़ फिर दूसरा लेती है और कर्मभोग भोगती है।

C- हिसाब-किताब ले आई, इसलिए आसुरी दुनिया में मनुष्य अपार दुःख भोगते हैं।

D- B और C

E- A,B और C

प्रश्न 3- तुम्हारी याद की यात्रा गुप्त है, सिर्फ बाप कहते हैं मुझे याद करो, क्योंकि बाप जानते हैं याद से -

A- इन बिचारों का कल्याण होगा।

B- लाइट हाउस बनेंगे।

C- पद अच्छा मिलेगा।

D- पावन बनेंगे।

प्रश्न 4- कौन-सी प्रैक्टिस करते रहो तो आत्मा बहुत-बहुत शक्तिशाली बन जायेगी ?

A- शरीर से डिटैच होने की प्रैक्टिस करो

B- अण्डर-ग्राउण्ड बनो

C- ज्ञान मनन करो

D- अन्तर्मुखी बनो

प्रश्न 5- तुम सर्व आत्माओं को कर्मबन्धन से सैलवेज़ करने वाले सैलवेशन आर्मी हो, तुम्हें कहाँ नहीं फँसना है ?

A- कर्मबन्धन में

B- देह बन्धन में

C- नर्क में

D- विकार में

प्रश्न 6- बाप ब्रह्मा द्वारा एडाप्ट करते हैं, इसलिए उनको क्या कहा जाता है ?

A- माता

B- बापदादा

C- मात-पिता

D- शिव बाबा

प्रश्न 7- बहुत में बहुत कितने घण्टे तक बाबा को याद कर सकते हैं ?

A- 2-2.5 घण्टे

B- 8 घण्टे

C- 4-6 घण्टे

D- 1-2 घण्टे

प्रश्न 8- तुम्हारा श्रृंगार सारा कैसे बदल जायेगा ?

A- पद्मापद्म भाग्यशाली बनो तो

B- पुरूषार्थ से

C- एक रस अवस्था से

D- बाप को याद करते रहो तो

प्रश्न 9- उठते, बैठते, चलते के लिए बाप ने एक कौन सी चाबी दे दी है ?

A- मनमनाभव

B- मेरा बाबा

C- मध्याजीभव

D- मामेकम्

प्रश्न 10- नेक्स्ट टू गॉड हैं ?

A- शिवबाबा

B- ब्रह्माबाबा

C- श्रीकृष्ण

D- नारायण

प्रश्न 11- महावीर, हनूमान। महावीर- महावीरनी कब कहेंगे ?

A- संगमयुग में

B- सतयुग में

C- कलियुग में

D- बाप की याद में

प्रश्न 12- स्वर्ग कौन, नर्क कौन बनाते हैं ?

A- ज्ञान - भक्ति

B- शिवबाबा - रावण

C- हम ब्राह्मण बच्चे - आसुरी मनुष्य

D- पाण्डव - कौरव

प्रश्न 13- क्या कभी नहीं सोचना है ?

A- जो नसीब में होगा।

B- विनाश कब होगा

C- ड्रामा में होगा तो करेंगे

D- पता नहीं कर पायेंगे या नहीं

प्रश्न 14- कौन सा राज़ सभी को सुनाओ ?

A- देव यहाँ चैतन्य में बैठे हैं।

B- बाप ने जो राजयोग सिखाया था, वह अभी फिर से सिखा रहे हैं।

C- आबू सबसे बड़ा तीर्थ है, स्वयं भगवान ने यहाँ से सबकी सद्गति की है।

D- परमात्मा सर्वव्यापी नहीं है।

प्रश्न 15- तुम धरती के चैतन्य सितारे हो, तुम्हें-

A- आत्मा को कंचन बनाने के लिए एक-दो को सावधान करना है।

B- ज्ञान अंजन देकर मनुष्यों को अज्ञान के घोर अंधकार से निकालना है।

C- तुम्हें सारे विश्व को रोशनी देना है।

D- योगबल से पवित्र बन चमकदार सितारा बनना है।

प्रश्न 16- ब्रह्मा को भागीरथ भी क्यों कहते हैं ? क्योंकि-

A- यह है सबसे बड़ी पढ़ाई इसलिए ।

B- भगवान रथ का लोन लेते इसलिए।

C- बहुत-बहुत भाग्यशाली रथ है। यही फिर विश्व के मालिक बनते हैं।

D- यह भगवान का मुकर्रर रथ है।

भाग (54) खण्ड {107} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.बाप के साथ हो*

तुम बच्चे कितना कहते हो निर्विकारी बनो फिर भी कहते हैं विष बिगर हम रह नहीं सकते हैं क्योंकि शूद्र सम्प्रदाय हैं ना। क्षुद्र बुद्धि हैं। तुम बने हो ब्राह्मण चोटी। चोटी तो सबसे ऊंच है। देवताओं से भी ऊंच है। *तुम इस समय देवताओं से भी ऊंच हो क्योंकि बाप के साथ हो।* बाप इस समय तुमको पढ़ाते हैं।

उत्तर 2- *E. A,B और C*

वह तो कह देते आत्मा निर्लेप है। बाप कहते हैं - नहीं, *आत्मा ही अच्छा वा बुरा कर्म करती है इस शरीर द्वारा। एक शरीर छोड़ फिर दूसरा लेती है और कर्मभोग भोगती है, तो वह हिसाब-किताब ले आई ना, इसलिए आसुरी दुनिया में मनुष्य अपार दु:ख भोगते हैं।*

उत्तर 3- *A. इन बिचारों का कल्याण होगा*

तुम्हारी याद की यात्रा गुप्त है, सिर्फ बाप कहते हैं मुझे याद करो क्योंकि *बाप जानते हैं याद से इन बिचारों का कल्याण होगा।* अब तुमको बिचारा कहेंगे ना। स्वर्ग में

बिचारे होते नहीं। बिचारे उनको कहा जाता है जो कहाँ बन्धन में फंसे रहते हैं।

उत्तर 4- *A. शरीर से डिटैच होने की प्रेक्टिस करो*

जब भी समय मिले तो शरीर से डिटैच होने की प्रैक्टिस करो। डिटैच होने से आत्मा में शक्ति वापिस आयेगी, उसमें बल भरेगा। तुम अण्डर-ग्राउण्ड मिलेट्री हो, तुम्हें डायरेक्शन मिलता है - अटेन्शन प्लीज़ अर्थात् एक बाप की याद में रहो, अशरीरी हो जाओ।

उत्तर 5- *A.कर्मबन्धन में*

इस दु:खधाम में सबकी नईया अटक पड़ी है तब तो कहते हैं नईया मेरी पार लगाओ। हे मांझी। सबकी नईयां फंसी पड़ी है, उनको सैलवेज़ कौन करे? ? वह कोई सैलवेशन आर्मी तो है नहीं। *तुम सर्व आत्माओं को कर्मबन्धन से सैलवेज़ करने वाले सैलवेशन आर्मी हो, तुम्हें कर्मबन्धन में नहीं फँसना है ।*

उत्तर 6- *C.मात-पिता*

बाप कहते हैं मैं आकर इस प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा एडाप्ट करता हूँ। प्रजापिता है ना। तो इतनी कुख वंशावली प्रजा कैसे होगी? बच्चे एडाप्ट होते हैं। *वर्सा बाप से मिलना है। बाप ब्रह्मा द्वारा एडाप्ट करते हैं, इसलिए उनको मात-पिता कहा जाता है।*

उत्तर 7- *A. 2-2.5 घण्टे दो*

कहाँ भी तुम जाओ, खाओ-पियो, घूमो फिरो, नौकरी करो, अपना श्रृंगार करते रहो। आत्मायें सब एक माशूक की आशिक हैं। बस, उनको ही याद करते रहो। *कोई-कोई बच्चे कहते हैं हम तो 24 घण्टे याद करते रहते हैं। परन्तु सदैव तो कोई कर नहीं सकते। बहुत में बहुत 2-2.5घण्टे तक।* जास्ती अगर लिखें तो बाबा मानता नहीं।

उत्तर 8- *D.बाप को याद करते रहे तो*

अभी आत्मा पतित है तो शरीर की भी हालत देखो क्या हो गई है। अब तुम्हारी आत्मा और काया कंचन बन जायेगी। यह कमाल है ना। तो ऐसा अपना श्रृंगार करना है। दैवीगुण भी धारण करने हैं। बाप सभी को एक ही रास्ता बताते हैं - अल्फ बे। सिर्फ अल्फ की बात है। *बाप को याद करते रहो तो तुम्हारा श्रृंगार सारा बदल जायेगा।*

उत्तर 9- *A.मन्मनाभव*

यहाँ बैठे हुए तुम क्या कर रहे हो? पैराडाइज़ के श्रृंगार के लिए पुरूषार्थ कर रहे हो। इसको क्या कहें? यहाँ बैठे हुए अपने को चेन्ज कर रहे हो। *उठते, बैठते, चलते बाप ने एक मनमनाभव की चाबी दे दी है।* बस एक सिवाए इसके और कोई भी फालतू बातें सुन-सुनाकर टाइम वेस्ट मत करो।

उत्तर 10- *C.श्रीकृष्ण*

भगवानुवाच, सिर्फ उन्हों ने नाम बदलकर श्रीकृष्ण का नाम डाल दिया है। भूल से श्रीकृष्ण भगवानुवाच समझ लिया है क्योंकि *श्रीकृष्ण हुआ नेक्स्ट टू गॉड।* स्वर्ग जो बाप

स्थापन करते हैं उनमें नम्बरवन यह है ना। यह ज्ञान अभी तुमको मिला है।

उत्तर 11- *A.संगमयुग में*

यहाँ तो बच्चे एडाप्ट होते हैं। कहते हैं हम शिवबाबा के बच्चे हैं, उनसे वर्सा लेते हैं। लेते-लेते फिर गिर पड़ते हैं तो वर्सा भी खलास। हंस से बदलकर बगुला बन जाते हैं। फिर भी बाप रहमदिल है तो समझाते रहते हैं। कोई फिर से चढ़ जाते हैं। *जो थमे (स्थिर) रहते हैं, उनको कहेंगे महावीर, हनूमान। तुम हो महावीर-महावीरनी।*

उत्तर 12- *B.शिवबाबा - रावण*

भारत में कितना अथाह धन था। *भारत को ही स्वर्ग कहा जाता है जो शिवबाबा स्थापन करते हैं ।* फिर नर्क कौन बनाते हैं? यह अभी तुम जान गये हो। रावण हैं 5 विकार। *रावण जो दु:ख देते हैं, उनकी मत पर चलने से स्वर्ग बदल नर्क बन जाता है ।*

उत्तर 13- *A.जो नसीब में होगा*

देही-अभिमानी बनने का पूरा-पूरा पुरूषार्थ करना है। *ऐसे कभी नहीं सोचना है कि जो नसीब में होगा।* सेन्सीबुल बनना है। पुरूषार्थी ऐसे नहीं कहेंगे। वह तो पुरूषार्थ करते रहेंगे फिर जब फेल होते हैं तब कहते हैं तकदीर में जो था।

उत्तर 14- *C.आबू सबसे बड़ा तीर्थ है, स्वयं भगवान ने यहाँ से सबकी सद्गति की है*

मीठे बच्चे - *यह राज़ सभी को सुनाओ कि आबू सबसे बड़ा तीर्थ है, स्वयं भगवान ने यहाँ से सबकी सद्गति की है ।* यह बात समझ लें तो आबू की महिमा हो जाए और यहाँ भीड़ लग जाए। आबू का नाम बाला हो गया तो यहाँ बहुत आयेंगे।

उत्तर 15- *C.तुम्हे सारे विश्व को रोशनी देनी है*

ज्ञान मार्ग में भक्ति होती नहीं। भक्ति में फिर ज्ञान बिल्कुल होता नहीं। तो यह बाप समझाते हैं, बाप देखते भी ऐसे हैं, समझते हैं यह सितारे बैठे हैं। देह का भान छोड़ देना है। जैसे ऊपर में सितारों की झिलमिल लगी हुई है वैसे यहाँ भी झिलमिल लगी हुई है। *तुम हो धरती के चैतन्य सितारे, तुम्हें सारे विश्व को रोशनी देना है ।*

उत्तर 16- *C. बहुत-बहुत भाग्यशाली रथ है। यही फिर विश्व का मालिक बनते हैं*

यह ऐसे थोड़ेही कहते हैं कि मैं भगवान हूँ। तुम बच्चे भी जानते हो पढ़ाने वाला इनकारपोरियल शिवबाबा है। उनको अपना शरीर नहीं है। कहते हैं मैं इस रथ का लोन लेता हूँ। *भागीरथ भी क्यों कहते हैं? क्योंकि बहुत-बहुत भाग्यशाली रथ है। यही फिर विश्व का मालिक बनते हैं तो भागीरथ ठहरा ना।*

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (54) खण्ड - {108}

प्रश्न 1- बुद्धि में क्या आ गया तो वह फट से सब आदतें छोड़ देंगे ?

A- देवता बनना है तो दैवीगुण भी धारण करने है।

B- 84 के चक्र की नॉलेज।

C- 21 जन्मों का राज्य भाग लेना।

D- ऊंच पद पाना है।

प्रश्न 2- सतयुग की स्थापना बाप ने की है। फिर तुम आयेंगे तो -

A- ओपनिंग सेरीमनी होगी।

B- स्वर्ग की राजधानी मिल जायेगी।

C- नई दुनिया का उद्घाटन हो जायेगा।

D- सच्ची दीवाली होगी।

प्रश्न 3- बहु रूप धारण कर किसका भी कल्याण शिवबाबा कैसे कर सकते हैं ?

A- बाप कहते हैं मैं कोई में जाता हूँ।

B- शिवबाबा की प्रवेशता है, मुझे शिवबाबा यह कहते हैं।

C- कोई डल बुद्धि बच्चे हैं और कोई अच्छा जिज्ञासु आ जाता है तो उनकी सर्विस अर्थ मैं प्रवेश कर दृष्टि दे सकता हूँ।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- एक ही डिनायस्टी किस की चलती है ?

A- सूर्यवंशी और चन्द्रवंशी की

B- संन्यासियों की

C- क्रिश्चियन की

D- A और C

प्रश्न 5- यह वैराइटी धर्मों का झाड़ है , इसलिए कहते हैं विराट लीला। विराट लीला अर्थात् -

A- आत्मा की लीला

B- लीलाधर की लीला

C- सभी मनुष्य वैरायटी पुष्प जैसे है।

D- हैं सब मनुष्य, परन्तु उनमें वैराइटी बहुत है।

प्रश्न 6- कौन सी आत्मा को सतोप्रधान, सतो, रजो, तमो से पास होना होता है ?

A- सूर्यवंशी में आने वाले को

B- चन्द्रवंशी में आने वाले को

C- संन्यासियों को

D- A और B

E- A,B और C

प्रश्न 7- सदा कौन सा निश्चय हो तो अचल-अडोल रहेंगे?

A- हम ही देवता बनने वाले हैं।

B- जो हो रहा है वो भी अच्छा और जो होने वाला है वो और भी अच्छा।

C- बालक सो मालिक हूँ - इस स्मृति से अधिकारी बन मन को अपने वश में करो।

D- मैं आत्मा अकाल तख्त नशीन हूँ,

प्रश्न 8- गलत पर्याय (बेमेल) का चुनाव कीजिए ?

A- ब्राह्मणों की माला

B- भक्त माला

C- विष्णु की माला

D- रूद्र माला

प्रश्न 9- बाबा ने हमें कौन सी चाबी दी जिससे बुद्धि का ताला खुल गया है ?

A- दिव्य बुद्धि

B- मेरा बाबा

C- ज्ञान

D- याद

प्रश्न 10- सब चिंताओं से मुक्त कैसे हो जायेंगे ?

A- निश्चिंत भव के वरदान से।

B- अपनी सर्व जिम्मेवारियां बाप हवाले कर दो तो।

C- वाह मैं श्रेष्ठ अधिकारी आत्मा', इस बेहद के अधिकार के नशे में रहो तो।

D- करन करावनहार की स्मृति सै

प्रश्न 11- बाबा अक्षर किनके मुख से निकल न सके ?

A- हम ब्राह्मण बच्चे के

B- गृहस्थी मार्ग वालों के

C- निवृत्ति मार्ग वालों के

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 12- शिव को सब बाबा कहते हैं क्योंकि ?

A- वह है सुप्रीम, परम है।

B- क्योंकि परमधाम में रहने वाला है।

C- वह सब आत्माओं का बाप है।

D- बाबा अक्षर बहुत मीठा है।

प्रश्न 13- किस को जाना जाता है, देखा नहीं जाता ?

A- आत्मा को

B- परमात्मा को

C- ड्रामा को

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 14- तुम जितना समय बाप की याद में रहेंगे उतना समय -

A- उतना विकर्म विनाश होंगे,

B- पाप नही होगा,

C- कमाई ही कमाई है,

D- बाप भी तुम्हें याद करेंगे,

प्रश्न 15- बेअन्त है -

A- आकाश

B- शिवबाबा

C- ड्रामा

D- इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 16- संन्यासी घरबार छोड़ भागते हैं, इसके लिए किस का मिसाल है ?

A- राजा गोपीचन्द

B- नारद का

C- शंकराचार्य का

D- विवेकानंद का

भाग (54) खण्ड {108} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.देवता बनना है तो दैवी गुण भी धारण करने है*

हम बेहद बाप की सन्तान हैं तो विश्व के मालिक ठहरे, *हमें देवता बनना है - यह बात बुद्धि में आ गई तो पुरानी सब आदतें छूट जायेंगी।* तुम कहो, न कहो, आपेही छोड़ देंगे। उल्टा-सुल्टा खान-पान, शराब आदि खुद ही छोड़ देंगे। कहेंगे वाह! हमको तो यह लक्ष्मी-नारायण बनना है।

उत्तर 2- *B.स्वर्ग की राजधानी मिल जाएगी*

तुम समझते हो अभी हम स्थापना कर रहे हैं जिसके लिए ही मेहनत करनी होती है। विनाश होगा फिर यह दुनिया ही बदल जायेगी। फिर तुम नई दुनिया में राज्य करने आ जायेंगे। *सतयुग की स्थापना बाप ने की है फिर तुम आयेंगे तो स्वर्ग की राजधानी मिल जायेगी।*

उत्तर 3- *C.कोई डल बुद्धि बच्चे हैं और कोई अच्छा जिज्ञासु आ जाता है तो उनकी सर्विस अर्थ मैं प्रवेश कर दृष्टि दे सकता हूँ*

मैं आत्मा हूँ, शिवबाबा को याद करना है। ऐसे नहीं मेरे अन्दर शिव की प्रवेशता है। ऐसे हो नहीं सकता। बाप कहते हैं मैं कोई में जाता नहीं हूँ। हम इस रथ पर सवार होकर ही तुम बच्चों को समझाते हैं। हाँ, *कोई डल बुद्धि बच्चे हैं और कोई अच्छा जिज्ञासू आ जाता है तो उनकी सर्विस अर्थ मैं प्रवेश कर दृष्टि दे सकता हूँ।* सदैव नहीं बैठ सकता हूँ।

उत्तर 4- *D. A और C*

जैसे क्रिश्चियन की डिनायस्टी एक ही चलती है, वैसे यह भी है एक ही डिनायस्टी। परन्तु उसमें सूर्यवंशी और चन्द्रवंशी हैं। यह बातें कोई भी शास्त्रों में नहीं हैं। बाप बैठ समझाते हैं, जिसको ही ज्ञान अथवा नॉलेज कहा जाता है। स्वर्ग स्थापन हो गया फिर नॉलेज की दरकार नहीं।

उत्तर 5- *D.हैं सब मनुष्य, परन्तु उनमें वैराइटी बहुत है।*

यह है वैराइटी धर्मों का झाड़, इसलिए कहते हैं विराट लीला। कितना बड़ा बेहद का झाड़ है। वह तो जड़ झाड़ होते हैं, जो बीज डालो वह झाड़ निकलता है। *यह फिर है वैराइटी धर्मों का वैराइटी चित्र। हैं सब मनुष्य, परन्तु उनमें वैराइटी बहुत है*, इसलिए विराट लीला कहा जाता है।

उत्तर 6 - *E. A, B और C*

भल कई कुमार भी पवित्र रहते हैं, कुमारियाँ भी पवित्र रहती हैं, संन्यासी भी पवित्र रहते हैं परन्तु आजकल वह पवित्रता नहीं है। पहले-पहले जब आत्मायें आती हैं, वह पवित्र रहती हैं *क्योंकि वह सतोप्रधान सूर्यवंशी होती हैं,

फिर दो कला कम हो चंद्रवंशी बनती हैं*, फिर द्वापर में आकर अपवित्र बन जाती हैं क्योंकि *तुम जानते हो कि सतोप्रधान, सतो, रजो, तमो से सबको पास होना होता है*। अन्त में सब तमोप्रधान बन जाते हैं

उत्तर 7- *B.जो हो रहा है वो भी अच्छा और जो होने वाला है वो और भी अच्छा*

स्लोगन:- *सदा निश्चय हो कि जो हो रहा है वो भी अच्छा और जो होने वाला है वो और भी अच्छा तो अचल-अडोल रहेंगे।*

उत्तर 8- *A.ब्राह्मणों की माला*

नाम तो तुम्हारे रखे थे। परन्तु उसमें भी अभी देखो तो कई हैं ही नहीं इसलिए ब्राह्मणों की माला नहीं होती। *भक्त माला और रूद्र माला गाई हुई है। ब्राह्मणों की माला नहीं होती। विष्णु की माला तो चली आई है।*

उत्तर 9 - *C.ज्ञान*

स्वर्ग में कोई शास्त्र आदि होता नहीं। बाप ने तो देवता बना दिया, सबकी सद्गति हो गई फिर शास्त्र पढ़ने की क्या दरकार है। वहाँ शास्त्र होते नहीं। *अभी बाप ने तुम्हें ज्ञान की चाबी दी है, जिससे बुद्धि का ताला खुल गया है।* पहले ताला एकदम बन्द था, कुछ भी समझते नहीं थे।

उत्तर 10 - *B.अपनी सर्व जिम्मेवारियां बाप हवाले कर दो*

“वाह मैं श्रेष्ठ अधिकारी आत्मा'', इस बेहद के अधिकार के नशे और खुशी में रहो तो सदा निश्चिंत रहेंगे। यह अविनाशी अधिकार निश्चित ही है। जहाँ निश्चित होता है वहाँ निश्चिंत होते हैं। *अपनी सर्व जिम्मेवारियां बाप हवाले कर दो तो सब चिंताओं से मुक्त हो जायेंगे।*

उत्तर 11- *C.निवृत्ति मार्ग वालों के*

गीता सुनाने वाले संन्यासी आदि बहुत हैं। वह बाप को याद कर न सकें। *‘बाबा' अक्षर कभी उनके मुख से निकल

न सके। यह अक्षर है ही गृहस्थ मार्ग वालों के लिए। वह तो हैं निवृत्ति मार्ग वाले।*

उत्तर 12- *C.वह सब आत्माओं का बाप है*

श्रीकृष्ण को कभी कोई बाबा कहे, यह हो नहीं सकता। तो श्रीकृष्ण गीता सुनाने वाला बाबा तो नहीं ठहरा ना। *शिव को सब बाबा कहते हैं क्योंकि वह सब आत्माओं का बाप है।* सब आत्मायें उनको पुकारती हैं - परमपिता परमात्मा।

उत्तर 13- *D. A और B*

अभी तुम बच्चे जानते हो कि *शिवबाबा हमारा बेहद का बाप है। भल देख नहीं सकते हो परन्तु बुद्धि से समझ सकते हो* भक्ति मार्ग में भगवान को याद करते है - हे भगवान' कहने से तो झट उनकी याद आती है तो जरूर कोई चीज़ है। *आत्मा को भी जाना जाता है, देखा नहीं जाता।*

उत्तर 14 - *C.कमाई ही कमाई है*

“मीठे बच्चे - *तुम जितना समय बाप की याद में रहेंगे उतना समय कमाई ही कमाई है*, याद से ही तुम बाप के समीप आते जायेंगे''

उत्तर 15- D *.इनमें से कोई नहीं*

नाम रूप से न्यारी बेअन्त तो कोई चीज़ होती नहीं। जरूर चीज़ को देखा जाता है तब वर्णन होता है। *आकाश को भी देखते हैं ना। बेअन्त कह नहीं सकते*। भक्ति मार्ग में भगवान को याद करते है - *शिवबाबा को या ड्रामा को बेअन्त थोड़ेही कहेंगे।*

उत्तर 16- *A.राजा गोपीचंद*

संन्यासी घरबार छोड़ भागते हैं, राजा गोपीचन्द का भी मिसाल है ना। तुम जानते हो कोई भी मनुष्य एक-दो को गति-सद्गति दे नहीं सकते हैं। सर्व का सद्गति दाता मैं ही हूँ।